an>

Title: Need to include Bagahi Bhelwa village under Ghorasahan Block of East Champaran district, Bihar in Gandhi Circuit and also develop the site as a tourist place.

श्रीमती रमा देवी (शिवहर) ः मेरे बिहार का चम्पारण जिला का नाम राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी द्वारा चलाये गये सत्याग्रह आंदोलन एवं उसमें चम्पारणवासियों के सहयोग के लिए इतिहास में स्वर्णित अक्षरों में दर्ज है। मेरे संसदीय क्षेत्रांतर्गत पूर्वी चम्पारण जिला का सिकरहना जो कि अभी अनुमंडल है, आजादी की लड़ाई में शिरकत करने वाला ऐसा क्षेत्र है जहां पर महात्मा गांधी जी ने अंग्रेजों द्वारा किसानों पर किये गये अत्याचारों के विरूद्ध बिगुल फूंका था परंतु इतिहास में कई कारणों से आजादी की लड़ाई में सिकरहना का जिक्र नहीं है। अंग्रेजों के विरूद्ध ग्रामीणों में चेतना एवं निर्भीकता पैदा करने के उद्देश्य से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी 13 नवंबर, 1917 को सिकरहना के बड़हरवा लखनसेन ग्राम में आये थे जहां उन्होंने बुनियादी विद्यालय सह आश्रम की स्थापना की। उसके बाद किसानों के आग्रह पर घोडासहन पूर्खंड के बगही भेलवा पंचायत के भेलवा ग्राम में आये तथा यहां रात्रि विश्राम भी किया। भेलवा में निलहा कोठी तथा अंग्रेजों द्वारा नील उत्पाद हेतु जो प्रोसेसिंग का कार्य किया जाता था उसके डैम्प के अवशेष आज भी वहां मौजूद हैं। अंग्रेजों द्वारा नील की खेती में चलाये गये तीन कठिया प्रणाली का विरोध भी भेलवा ग्राम से ही शुरू हुआ था। उक्त भेलवा ग्राम में लगभग 50 एकड़ के क्षेत्रफल में बापू द्वारा स्थापित गांधी उच्च विद्यालय एवं बुनियादी विद्यालय में आज भी पठन-पाठन का काम चल रहा है। आगामी वर्ष 2017 में सरकार पूरे देश में चम्पारण सत्याग्रह शताब्दी समारोह मनाने जा रही है परंतु बड़े खेद के साथ सदन को सूचित करना पड़ रहा है कि राज्य सरकार द्वारा उक्त घोडासहन पूर्खंड के भेलवा ग्राम को गांधी सर्किट में शामिल नहीं किया गया है जबकि समय-समय पर यहां के बुद्धिजीवी एवं आम लोग आंदोलन व धरना प्रदर्शन कर इसकी मांग करते रहे हैं।

अतः सरकार से अनुरोध करती हूं कि मेरे संसदीय क्षेत्रांतर्गत पूर्वी चम्पारण जिला के घोडासहन पूर्खंड के भेलवा ग्राम को गांधी सर्किट से जोड़ते हुए पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाये जिससे कि महात्मा गांधी जी से जुड़े इस धरोहर एवं इससे जुड़े लोगों को सम्मान मिल सके।